सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)
————————

राज्यपाल ने लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित कौटिल्य भवन का लोकार्पण व निरीक्षण किया

राज्यपाल ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को कम्प्यूटर किट वितरित कर आंगनबाड़ी केंद्रों में डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया

प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालय उत्कृष्ट अकादमिक परंपराओं के साथ-साथ समाज सेवा की भावना से भी ओतप्रोत हैं

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आंगनबाड़ी केंद्रों में जाकर बच्चों को आधारभूत डिजिटल प्रशिक्षण देना चाहिए, जिससे कम उम्र से ही तकनीक के प्रति रुचि और समझ विकसित हो सके

प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन हो रहा है। प्रदेश के 18 विश्वविद्यालयों को नैक से ग्रेडिंग प्राप्त हुई है तथा कई विश्वविद्यालय एनआईआरएफ रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत विश्व मंच पर एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरा है

पिछले छह वर्षों में लखनऊ विश्वविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है

- माननीय राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : **11** जुलाई**, 2025**

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर में नवनिर्मित कौटिल्य भवन का लोकार्पण व निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को **118** कम्प्यूटर किट वितरित कर आंगनबाड़ी केंद्रों में डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया।

अपने उद्बोधन में राज्यपाल जी ने कहा कि प्रदेष के राज्य विश्वविद्यालय उत्कृष्ट अकादमिक परंपराओं के साथ-साथ समाज सेवा की भावना से भी ओतप्रोत हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों को कम्प्यूटर किट प्रदान करना एक दूरदर्शी एवं संवेदनशील प्रयास है, जिससे बाल विकास की आधारशिला और सशक्त होगी। डिजिटल युग में शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी संसाधनों की पहुंच अत्यंत आवश्यक है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी आंगनबाड़ी केंद्रों में जाकर कम्प्यूटर स्थापित करें तथा वहाँ की कार्यकत्रियों को उसका संचालन एवं उपयोग सिखाएं। विद्यार्थियों को बच्चों को भी आधारभूत डिजिटल प्रशिक्षण देना चाहिए, जिससे कम उम्र से ही तकनीक के प्रति रुचि और समझ विकसित हो सके। उन्होंने विश्वास जताया कि कम्प्यूटर किट के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों में कार्यरत कार्यकत्रिओं को बच्चों के लिए अधिक प्रभावी

एवं आधुनिक तरीकों से शिक्षा देने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि अन्य संस्थानों को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए, ताकि बाल विकास, महिला सशक्तिकरण और डिजिटल साक्षरता को नई गति मिल सके।

राज्यपाल जी ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय के आईटी विभाग के विद्यार्थियों को ऐसी शैक्षिक एवं प्रेरणादायक वीडियो तैयार करनी चाहिए जो संस्कार, नैतिक शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ जीवनशैली तथा पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता जैसे विषयों पर आधारित हों। ये वीडियो न केवल रुचिकर और बालमैत्री हों, बल्कि बच्चों के स्तर और उनके पाठ्यक्रम से भी मेल खाती हों, ताकि उन्हें आंगनबाड़ी केंद्रों में दिखाया जा सके। उन्होंने बताया कि नोएडा क्षेत्र की आंगनबाड़ियों में इसी प्रकार की शैक्षिक वीडियो सफलतापूर्वक चलाई जा रही हैं, जो राजभवन के मार्गदर्शन में तैयार की गई थी। उन वीडियो से बच्चे प्रेरित हो रहे हैं और शिक्षा के प्रति उनका रुझान बढ़ा है। युवा विद्यार्थी नवाचारों से प्रेरित होते हैं और उनके भीतर रचनात्मक विचारों एवं तकनीकी कौशल की अद्भुत क्षमता होती है। उनके इस ज्ञान और ऊर्जा का लाभ आंगनबाड़ी केंद्रों तक अवश्य पहुँचना चाहिए, ताकि बाल विकास एवं डिजिटल सशक्तिकरण को नई दिशा मिल सके।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मानदंडों के अनुरूप हर वर्ग और क्षेत्र में उच्च शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, उत्तर प्रदेश में नए विश्वविद्यालयों की स्थापना की जा रही है। अपने सीमावर्ती जनपदों के भ्रमण का उल्लेख करते हुए राज्यपाल महोदया ने बताया कि अब देश में शिक्षा, बिजली, पानी और

स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं उन दूरस्थ क्षेत्रों तक भी पहुंचाई जा रही हैं, जो पहले उपेक्षित थे। यह जो सरकार के समावेशी विकास के संकल्प को दर्शाता है।

राज्यपाल जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन हो रहा है। प्रदेश के 18 विश्वविद्यालयों को नैक से ग्रेडिंग प्राप्त हुई है तथा कई विश्वविद्यालय एनआईआरएफ रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त राज्य के कई विश्वविद्यालय अब विश्वस्तरीय रैंकिंग की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने विश्वविद्यालयों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना होगा, ताकि भारत का शिक्षा तंत्र विश्व के श्रेष्ठ संस्थानों की श्रेणी में स्थान प्राप्त कर सके।

राज्यपाल जी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय गुजरात के विद्यार्थियों ने उसमें जो साहसिक और अभिनव कार्य किया है, वह अत्यंत प्रेरणादायक और अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि युवाओं को इसी प्रकार तैयार करना हमारी शिक्षा व्यवस्था की प्राथमिकता होनी चाहिए। वर्तमान वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप विश्वविद्यालयों को चाहिए कि वे अपने विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता, राष्ट्रीय सुरक्षा और नवाचार के क्षेत्र में प्रशिक्षित करें, ताकि वे देश की रक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में योगदान दे सकें।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज भारत विश्व मंच पर एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरा है। अब भारत में अत्याधुनिक शस्त्रों का निर्माण हो रहा है और उन्हें विदेशों को निर्यात भी किया जा रहा है, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

है। उत्तर प्रदेश में 6 डिफेंस कॉरिडोर की स्थापना की जा रही है, जिससे रक्षा उत्पादन को गति मिलेगी। लखनऊ में अब 'ब्रह्मोस' जैसे उन्नत मिसाइल सिस्टम का निर्माण हो रहा है, जो इस बात का प्रमाण है कि भारत ने अब क्वालिटी टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने यह भी कहा कि पहले इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी के कारण ऐसे कार्य संभव नहीं हो पाते थे, लेकिन अब प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शिता और प्रेरणा से देश में तेज गति से विकास हो रहा है और भारत हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अपने विचार रखते हुए राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने कहा कि एआई का उपयोग देश का नाम रोशन करने, वैश्विक समस्याओं पर शोध करने, मानव कल्याण तथा भारत की सामाजिक, शैक्षिक, स्वास्थ्य और पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान खोजने के लिए करें, न कि किसी को नुकसान या परेशान करने के लिए। बच्चों, किसानों, पशु-पक्षियों, रोगों एवं मानव जीवन से जुड़ी समस्याओं पर अनुसंधान करें विद्यार्थी और एआई जैसी आधुनिक तकनीकों का सकारात्मक उपयोग करें।

राज्यपाल महोदया ने लखनऊ विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि पिछले छह वर्षों में विश्वविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। कौटिल्य भवन के निर्माण से परीक्षा प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होगी तथा परिणाम समय से घोषित किए जा सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अन्य विश्वविद्यालयों को भी समयबद्ध रूप से परिणाम जारी करने की दिशा में गंभीरता से कार्य

करना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को आगे की शिक्षा या रोजगार में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को इस सफलता के लिए बधाई दी और कहा कि इसी तरह लगातार आगे बढ़ते हुए समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देते रहें।इस अवसर पर राज्यपाल जी ने पौधा रोपण भी किया।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अपने स्वागत भाषण में राज्यपाल महोदया के मार्गदर्शन और प्रेरणा को विश्वविद्यालय की गतिविधियों का आधार बताया। उन्होंने विश्वविद्यालय में कराये जा रहे नवीन कार्यों की जानकारी भी दी।

इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रो0 मनुका खन्ना, विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के सदस्यगण, शिक्षक गण, अधिकारी, कर्मचारी तथा विद्यार्थियों सहित अन्य महानुभाव उपस्थित रहे।

संपर्क सूत्रः
डॉ0 संगीता चौधरी,
सूचना अधिकारी, राजभवन
मो0: 9161668080

लखनऊ विश्वविद्यालय
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन
कार्यक्रम
1. कौटिल्य भवन का लोकार्पण
2. आंगनवाड़ी केन्द्रों को कम्प्यूटर सेट का वितरण

लखनऊ विश्वविद्यालय
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन
कार्यक्रम
1. कौटिल्य भवन का लोकार्पण
2. आंगनवाड़ी केन्द्रों को कम्प्यूटर सेट का वितरण
दिनांक : शुक्रवार, जुलाई 11, 2025

लखनऊ विश्वविद्यालय
"कौटिल्य भवन"
का
लोकार्पण
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
प्रो० आलोक कुमार राय

University of Lucknow

HONOURABLE CHANCELLOR

University of Lucknow